RABINDRANATH TAGORE UNIVERSITY

HOJAI, ASSAM

DEPARTMENT OF HINDI

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME

Courses effective from Academic Year 2023-2024

SYLLABUS OF COURSES TO BE OFFERED

Major courses, Minor Courses, Skill Enhancement Courses,Multi-Disciplinary Courses, Ability EnhancementCourses

Rabindranath Tagore University:

Four Year Under Graduate Programme

(Based on UGC Curriculum and Credit Framework)

The Rabindranath Tagore University has adopted under graduate Course curriculum Framework (UGCF) in line of New Education Policy, 2020 to be implemented from August, 2023. It is a structure for four-year under Graduate programmes in different disciplines with multiple exit options.

Outline of Courses:

The categories of courses and requirement of minimum credits for 4-year degree as per UGC are as follows:

1.	**Major/Core (DSC)**	**: 80 Credits**
2.	**Minor/DSE**	**: 32 Credits**
3.	**Multidisciplinary (GE)**	**:9 Credits**
4.	**Ability Enhancement Course**	**: 8 Credits**
5.	**Skill Enhancement Course**	**: 9 Credits**
6.	**Value Added Course**	**: 8 Credits**
7.	**Summer Internship**	**: 2 Credits**
8.	**Dissertation/Research project**	**: 12 Credits**

The details of structure are provided below:

Structure of Undergraduate Curriculum Framework (UGCF) Bachelor of (Field of Study/Discipline)									
Semester	**CORE/MAJOR (DSC)**	**DSE/MINOR**	**MDC(GE)**	**AECC**	**SEC**	**VAC**	**VOC./ MINORPROJ/ Summer Internship**	**Research Proj/ Dissertation**	**Credit**
1st	DSC-1(4)	DSE-1(4)	GE-1(3)	AEC-1(2)	SEC-1(3)	VAC-1(2) VAC-2(2)	×	×	20
2nd	DSC-2(4)	DSE-2(4)	GE-1(3)	AEC-2(2)	SEC-2(3)	VAC-3(2) VAC-4(2)	×	×	20
TOTAL	**8**	**8**	**6**	**4**	**6**	**8**	**-**	**-**	**40**
Students on exit shall be awarded Undergraduate Certificate (in the field of study/discipline) after securing the requisite credits 44 including vocational 4 credits mandatory on completion of semester II									
3rd	DSC-3(4) DSC-4(4)	DSE-3(4)	GE-1(3)	AEC-3(2)	SEC-3(3)	×	×	×	20
4th	DSC-5(4) DSC-6(4) DSC-7(4)	DSE-4(4)	×	AEC-4(2)	×	×	Summer Internship (2)	×	20
TOTAL	**28**	**16**	**9**	**8**	**9**	**8**	**2**	**-**	**80**
Students on exit shall be awarded Undergraduate Diploma (in the field of study/discipline) after securing the requisite credits 84 including vocational 4 Credits mandatory on completion of semester IV									
5th	DSC-8(4) DSC-9(4) DSC-10(4) DSC-11(4)	DSE-5(4)	×	×	×	×	×	×	20
6th	DSC-12(4) DSC-13(4) DSC-14(4) DSC-15(4)	DSE-6(4)	×	×	×	×	×	×	20
TOTAL	**60**	**24**	**9**	**8**	**9**	**8**	**2**	**-**	**120**
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the field of study/discipline) Major without Honourse (3 Years) after securing the requisite credits 120 on completion of semester VI									

7th	DSC-16(4) DSC-17(4) DSC-18(4) DSC-21(4)*	DSE-7(4)	×	×	×	×	×	Dissertation Project (4)	20
8th	DSC-19(4) DSC-20(4) DSC-22(4)* DSC-23(4)*	DSE-8(4)	×	×	×	×	×	Dissertation Project (8)	20
TOTAL	**80**	**32**	**9**	**8**	**9**	**8**	2	12	**160**
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the field of study/discipline) Honours/Honours with Research after securing the requisite160 credits on completion of semester VIII									

Important Points:

1. Student opts to exit after completion of 1st year securing 40 credits s/he may be awarded a UG Certificate, if s/he completed one vocational course of 4 credits during summer vacation of first year.

2. Student opts to exit after completion of 2nd year securing 80 credits s/he may be awarded a UG Diploma, if s/he completed one vocational course of 4 credits during summer vacation of second year.

3. Student opts to exit after completion of either 1st year or completion of 2nd year may be allowed to re-enter within three years and complete the degree programme within the stipulated maximum period of seven years.

4. Student opts to exit after completion of third year securing 120 credits will be eligible for UG degree with Major discipline without Honours.

5. For 4-year Honours degree the major subject/discipline requires 80 credits and the minor subject/discipline requires 32 credits. The student who exits after completion of 6th Semester/3rd Year, s/he requires 60 credits in the major subject/discipline and 24 credits in the minor subject/discipline.

6. Students who intend to complete four-year degree programme will have two options in 7th and 8th semester as:

i) Students who choose Research in 4th year are to study DSC-16, DSC-17, and DSC-18 of 4 credits each and to complete a dissertation/project of 4 credits mandatorily in 7th semester.

Accordingly, in 8th semester these students will study DSC-19, DSC-20 of 4 credits each and to complete a dissertation/project of 8 credits.

ii) Students who don't choose Research will study DSC-21*, DSC-22*, DSC-23* mandatorily in lieu of dissertation/project in 7th and 8th semester in addition to (DSC-16 to DSC-20) leading to Honours without Research.

7. Students who completed four-year degree programme with dissertation/project will be awarded Bachelor Degree of Honours with Research. And students who completed four-year degree without dissertation/project will be awarded Bachelor Degree of Honours.

Dr.A.Gautam
Academic Registrar i/c

==========

प्रश्न-पत्रों की सूची

(B. A. 1ST SEMESTER)

क्रम संख्या	प्रश्न-पत्रों के कोड	प्रश्न-पत्रों के शीर्षक	क्रेडिट
01.	HIN-MAJ-1.1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	4
02.	HIN-MIN-1.1	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता	4
03.	HIN-AECC-1.1	हिन्दी व्याकरण एवं संप्रेषण	2
04.	HIN-MD-1.1	हिन्दी साहित्य का इतिहास	3
05.	HIN-SEC-1.1	अनुवाद विज्ञान	3
06.	VAC-1.1		4
		TOTAL CREDIT	**20**

PAPER TITLE:हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

PAPER CODE:MAJ-HIN-1.1

PAPER CREDIT:4 (व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा से परिचित कराते हुए आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन हिन्दी साहित्य के इतिहास की सम्यक जानकारी देना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

इकाई - 1 **हिन्दी साहित्येतिहास लेखन:** हिन्दी साहित्येतिहास-लेखनकी परंपरा का परिचय। काल-विभाजन एवं नामकरण (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल के संदर्भ में)।

इकाई - 2 **आदिकाल:**आदिकाल की परिस्थितियाँ एवं काव्य प्रवृत्तियाँ।सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य,रासो साहित्य, लौकिक साहित्य ।

इकाई - 3 **भक्तिकाल:**भक्तिकाल की परिस्थितियाँ एवं काव्य प्रवृत्तियाँ।भक्ति आंदोलन केउदय के कारण।भक्तिकाल की काव्य-धाराएँ -निर्गुण काव्य-धारा : ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेममार्गी शाखा (सामान्य परिचय, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि)।सगुण काव्य-धारा : रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा (सामान्य परिचय, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि)।

इकाई - 4 **रीतिकाल:**रीतिकाल की परिस्थितियाँ एवं काव्य प्रवृत्तियाँ।रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधारा (सामान्य परिचय एवं प्रमुख कवि)।वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - गणपतिचन्द गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

PAPER TITLE: आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

PAPER CODE: MIN-HIN-1.1

PAPER CREDIT: 4 (व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: विद्यार्थियों को आदिकालीन विद्यापति, भक्तिकालीन कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीराँबाई, रसखान तथा रीतिकालीन बिहारी, भूषण एवं घनानन्द जैसे अमर विभूतियों की रचनाओं में अभिव्यक्त भाव,विचार एवं दर्शन से रू-ब-रू कराते हुए मैथिली, सधुक्कड़ी,अवधी, ब्रज तथा राजस्थानी हिन्दी से परिचित कराना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

पाठ्यपुस्तकें:

1. **विद्यापति : सं. आनन्द प्रकाश दीक्षित, साहित्य प्रकाशन मंदिर, ग्वालियर।**
2. **मध्यकालीन काव्य संग्रह : प्रस्तुतकर्त्ता - केंद्रीय हिन्दी संस्थान आगरा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।**
3. **जायसी ग्रन्थावली : सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी।**
4. **मीराँबाई की पदावली : सं. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।**

इकाई - 1 विद्यापति : पद (क्रम संख्या 1 से 8 तक)
कबीर : पद (क्रम संख्या 1 से 5 तक), साखी (सुमिरन भजन महिमा)
जायसी : नागमती वियोग खंड (क्रम संख्या 1, 4, 5, 6, 7)

इकाई - 2 सूरदास : विनय (क्रम संख्या 1 एवं 2), भ्रमरगीत (क्रम संख्या 1 से 3 तक), पुनर्मिलन (क्रम संख्या 1 एवं 2)
तुलसीदास : विनय-पत्रिका (क्रम संख्या 1 से 5 तक)

इकाई - 3 मीराँबाई : पद (क्रम संख्या 1, 3, 18, 19 और 20)
रसखान : पद (क्रम संख्या 1 से 5 तक)

इकाई - 4 बिहारी : दोहा (क्रम संख्या 1 से 10 तक)
भूषण : पद (क्रम संख्या 1 से 5 तक)

घनानन्द : पद (क्रम संख्या 1 से 4 तक)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. विद्यापति - सं. शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कबीर - सं. विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. पदुमावति - सं. कन्हैया सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
6. तुलसीदास - सं. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. सूरदास - सं. हरबंसलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

PAPER TITLE: हिन्दी व्याकरण एवं संप्रेषण

PAPER CODE: AECC-HIN-1.1

PAPER CREDIT: 2 (व्याख्यान-2)

TOTAL MARKS: 50 (TH: 40 + IA: 10)

लक्ष्य- विद्यार्थियों को हिन्दी की व्याकरणिक संरचना से अवगत कराना तथा वाणिज्य, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में हिन्दी की सम्प्रेषण विषयक अवधारणाको स्पष्ट करना ही प्रस्तावित पाठ्क्रम का मूल ध्येय है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 30

इकाई - 1 **संप्रेषण और उसका स्वरूप:** संप्रेषण की अवधारणा, महत्त्वऔर प्रक्रिया।संप्रेषण के प्रकार- वाचिक संप्रेषण एवं अवाचिक संप्रेषण, प्रत्यक्ष संप्रेषण एवं अप्रत्यक्ष संप्रेषण, मौखिक संप्रेषण एवं लिखित संप्रेषण।

इकाई - 2 **वर्ण व्यवस्था**: स्वर एवं व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण, स्वर एवं व्यंजन ध्वनियों का उच्चारण स्थान।

इकाई - 3 **शब्द व्यवस्था**: हिन्दी में शब्द रचना (उपसर्ग, प्रत्यय, समास)। विलोम और पर्यायवाची शब्द।संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, का सामान्य परिचय।

इकाई - 4 **वाक्य रचना**: परिभाषा, वाक्य के भेद, वाक्य रूपान्तरण।

रचनाकौशल:पत्र लेखन, सार लेखन अथवा पल्लवन, मुहावरे एवं लोकोक्तियों का सामान्य परिचय

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. व्यावहारिक व्याकरण और वार्त्तालाप - चतुर्भुज सहाय एवं अरुण चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, हिन्दी संस्थान मार्ग, आगरा।
2. मौखिक कौशल खंड- 1 एवं खंड- 2 - रवि प्रकाश गुप्त और अजेय पंडित, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, हिन्दी संस्थान मार्ग, आगरा।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता - डॉ. निदेश प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
5. हिन्दी रचना और व्याकरण - रमानाथ सहाय, रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव, एनसीईआरटी, दिल्ली।

PAPER TITLE: हिन्दी साहित्य का इतिहास

PAPER CODE: MD/GE-HIN-1.1

PAPER CREDIT: 3(व्याख्यान-2, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 75 (TH: 60 + IA: 15)

लक्ष्य- विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के विकासात्मक स्वरुप से परिचित कराना तथा विभिन्न कालखंडों में रचित साहित्य की प्रवृत्तियों की सामान्य जानकारी देना ही प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 45

इकाई - 1 **कालविभाजन एवं नामकरण:** काल-विभाजन एवं नामकरण, साहित्येतिहास लेखन की परम्परा।

आदिकाल:आदिकालीन काव्य धाराएँ-सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैनसाहित्य, रासो साहित्य, आदिकाल की परिस्थितियाँ एवं काव्य प्रवृत्तियाँ।

इकाई - 2 **मध्यकाल: भक्तिकाल की** सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्तिकाल के प्रमुख कवि–निर्गुण (कबीर एवं जायसी), सगुण (सूरदास एवं तुलसीदास)**,** भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।

रीतिकाल:रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं काव्य प्रवृत्तियाँ,रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराएँ।

इकाई - 3 **आधुनिक काल:** नामकरण एवं परिस्थितियाँ,भारतेन्दु एवं उनका युग, भारतेन्दु युगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ।महावीरप्रसाद द्विवेदी एवं उनका युग, द्विवेदी युगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ।राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं साठोत्तरी कविता के प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय।

इकाई - 4 **हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास:** कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध।

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली।

3. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास - आचार्य हजारीप्रसाद द्‌विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्‌विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - गणपतिचन्द गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्‌विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

PAPER TITLE: अनुवाद विज्ञान

PAPER CODE: SEC-HIN-1.1

PAPER CREDIT: 3(व्याख्यान-2, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 75 (TH: 50 + PR: 25)

लक्ष्य- विद्यार्थियों को सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक स्तर पर अनुवाद की सम्यक जानकारी प्रदान करना तथा कार्यालय, तकनीकी एवं सर्जनात्मक साहित्यादि क्षेत्रों में हिन्दी अनुवाद- सम्बन्धी कौशल में वृद्धि लाना ही प्रस्तावित पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 45

इकाई -1 अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, प्रकार, अनुवाद की आवश्यकता एवं महत्त्व।

इकाई -2 अनुवाद प्रक्रिया के चरण- विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन।अनुवादक की भूमिका- पाठक के रुप में (अर्थ ग्रहण की), द्विभाषिक के रूप में(अर्थांतरण की) एवं रचयिता के रूप में (अर्थ सम्प्रेषण की)।साहित्यिक अनुवाद एवं तकनीकी अनुवाद में अन्तर।

इकाई -3 कार्यालयी अनुवाद-राजभाषा नीति के अनुपालन में धारा3(3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेजों का अनुवाद-(शासकीय पत्र/अर्द्धशासकीय पत्र/परिपत्र/ ज्ञापन/ कार्यालयी आदेश/ अधिसूचना/ संकल्प प्रस्ताव/ निविदा-संविदा/ विज्ञापन)
व्यावहारिक अनुवाद-हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी।

सन्दर्भ ग्रंथ:

1. अनुवाद विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. अनुवाद सुधा(भाग-1) डॉ. अच्युत शर्मा(संपा),शब्द भारती, गुवाहाटी।
3. अनुवाद सुधा(भाग-2) डॉ. अच्युत शर्मा(संपा),शब्द भारती, गुवाहाटी।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी-डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण- पो. विराज, राजपाल एंड सन्स,नई दिल्ली।
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी-डॉ.बालेन्दु शेखर तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना।

प्रश्न-पत्रों की सूची

(B. A. 2ND SEMESTER)

क्रम संख्या	प्रश्न-पत्रों के कोड	प्रश्न-पत्रों के शीर्षक	क्रेडिट
01.	HIN-MAJ-2.1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4
02.	HIN-MIN-2.1	आधुनिक हिन्दी कविता	4
03.	HIN-MD-2.1	हिन्दी काव्यधारा	3
04.	HIN-SEC-2.1	सम्पादन प्रक्रिया	3
05.	ENV-AECC-2.1		2
06.	VAC-1.1		4
		TOTAL CREDIT	**20**

PAPER TITLE: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
PAPER CODE: MAJ-HIN-2.1
PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)
TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य- विकास के विभिन्न मोंड़ों को पार करती हुई हिन्दी आधुनिक युग में आकर अपने स्वरुप को किस प्रकार से निर्मित करती है, उसका सम्यक जानकारी देना तथा खड़ीबोली हिन्दी गद्य के उद्भव एवं विकास से विद्यार्थियों को परिचित करना प्रस्तावित प्रश्न पत्र का मूल लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण
आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

इकाई - 1 **आधुनिक काल:** सीमांकन, नामकरण, पृष्ठभूमि (सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक)भारतेन्दु युग : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि,द्विवेदी युग : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

इकाई - 2 **छायावाद एवं छायावादोत्तर काव्य धाराएँ:** छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद (सामान्य परिचय, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि)

इकाई - 3 **स्वातंत्र्योत्तर काव्य धाराएँ:** नयी कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता (सामान्य परिचय, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि)

इकाई - 4 **हिन्दी गद्य का विकास:** स्वतंत्रता-पूर्व हिन्दी गद्य**,** स्वतंत्रता पश्चात हिन्दी गद्य।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - गणपतिचन्द गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, आगरा।
7. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास-डॉ.अमित कुमार सिंह, साहित्य सरोवर प्रकाशन, आगरा।
9. हिन्दी का गद्य साहित्य-डॉ. रामचन्द्र तिवारी,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

PAPER TITLE: आधुनिक हिन्दी कविता

PAPER CODE: MIN-HIN-2.1

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: आधुनिक हिन्दी कविता का विकास विभिन्न युगों में अलग-अलग वादों के रूप में हुआ है। ये वाद एक दूसरे की क्रिया-प्रतिक्रिया में सृजित हुए हैं। विद्यार्थियों को विभिन्न वादों एवं युगों में सृजित कविता के शिल्प एवं संवेदना की विशेषताओं से परिचित करना प्रस्तावित प्रश्न पत्र का मूल लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

पाठ्यपुस्तक:

1. **हिन्दी काव्य सुधा : सं. भूपेन्द्र रायचौधुरी, गुवाहाटी विश्वविद्यालय**
2. **आधुनिक काव्यधारा : सं. डॉ. विजयपाल सिंह, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी**

इकाई - 1	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	: निज भाषा उन्नति,
	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	: पवनदूत
	मैथिलीशरण गुप्त	: पंचवटी में लक्ष्मण,
	माखनलाल चतुर्वेदी	: पुष्प की अभिलाषा,
इकाई - 2	जयशंकर प्रसाद	: श्रद्धा
	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	: तोड़ती पत्थर
	सुमित्रानंदन पंत	: पतझर
	महादेवी वर्मा	: बीन भी हूँ
इकाई - 3	दिनकर	: हिमालय,
	केदारनाथ अग्रवाल	: चन्द्रगहना से लौटती बेर
	नागार्जुन	: अकाल और उसके बाद
इकाई - 4	अज्ञेय	: साँप,
	भवानीप्रसाद मिश्र	: गीत फरोश,
	धर्मवीर भारती	: पराजित पीढ़ी का गीत
	धूमिल	: मोचीराम

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - सं. डॉ. नामवर सिंह सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. छायावाद - डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कविता और संवेदना - विजयबहादुर सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, मध्य प्रदेश।
4. प्रसाद, निराला, अज्ञेय - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. प्रसाद, निराला, और पंत -. विजयबहादुर सिंह, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. निराला - डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. महादेवी - इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. आधुनिक प्रतिनिधि कवि, भाग -1 - डॉ. हरिचरण शर्मा, मल्लिक एंड कम्पनी, जयपुर।
10. आधुनिक हिन्दी के प्रतिनिधि कवि- द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर,आगरा।

PAPER TITLE: हिन्दी काव्यधारा

PAPER CODE: MD/GE-HIN-2.1

PAPER CREDIT: 3(व्याख्यान-2, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 75 (TH: 60 + IA: 15)

लक्ष्य: विद्यार्थियों को हिन्दी काव्य जगत् के कबीर,सूर तुलसी, भारतेन्दु, गुप्त, प्रसाद, पंत, निराला, धूमिल आदि अमर विभूतियों से परिचित कराना तथा तत्कालीन परिस्थितियों के अनुरूप काव्य के शिल्प एवं सम्वेदना में आए बदलाव का क्रमबद्ध एवं विधिवत जानकारी प्रदान करना प्रस्तावित पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 45

पाठ्यपुस्तक :

1. हिन्दी काव्य सुधा,प्रो. भूपेन्द्र रायचौधुरी,गुवाहाटी विश्वविद्यालय प्रकाशन विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय।

इकाई - 1	कबीर	: साखी (क्रम संख्या 1, 2, 5, 6, 9)
	सूरदास	: (वृन्दावन लीला पद क्रम 6 एवं 7)
	तुलसीदास	:केवट प्रसंग
इकाई - 2	भारतेन्दु	: निज भाषा उन्नति, आत्म प्रबोधन,
	गुप्त	: पंचवटी में लक्ष्मण,
	माखनलाल चतुर्वेदी	: पुष्प की अभिलाषा
इकाई - 3	निराला	: संध्या सुन्दरी
	पंत	: पतझर
	महादेवी वर्मा	: जाग तुझको दूर जाना
इकाई - 4	अज्ञेय	: साँप
	धर्मवीर भारती	: टूटा पहिया,
	धूमिल	: रोटी और संसद

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. कबीर - सं. विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. तुलसीदास - सं. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. सूरदास - सं. हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
6. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

PAPER TITLE: सम्पादन प्रक्रिया

PAPER CODE: SEC-HIN-2.1

PAPER CREDIT: 3(व्याख्यान-2, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 75 (TH: 60 + IA: 15)

लक्ष्य- विद्यार्थियों को समाचार पत्र और साहित्यिक पत्रिकाओं के विविध स्तम्भों की सम्पादन प्रक्रिया, साज-सज्जा आदि के विषय में अवगत कराते हुए उनमें सम्पादन कौशल की कला को विकसित करना ही प्रस्तावित पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 45

इकाई - 1 सम्पादन :अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्त्व।
सम्पादन कला के सामान्य सिद्धान्त।
सम्पादक और उपसम्पादक : योग्यता, दायित्व और महत्त्व।

इकाई - 2 सम्पादकीय लेखन :प्रमुख तत्त्व एवं प्रविधि, सम्पादकीय का सामाजिक प्रभाव।
समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और सम्पादन, प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।

इकाई - 3 समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका सम्पादन।
हिन्दी के राष्ट्रीय और प्रांतीय समाचार पत्रों की भाषा, आंचलिक प्रभाव और वर्त्तनी की समस्याएँ।

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. जनसंचार सिद्धान्त और अनुप्रयोग - विष्णु राजगढ़िया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. संचार के मूल सिद्धान्त - ओमप्रकाश सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. समाचार संपादन - कमल दीक्षित एवं महेश दर्पण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. समाचार संकलन और सम्पादन कला - डॉ. जितेन्द्र वत्स और डॉ. किरणवाला, सौरभ प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. पत्रकारिता और जनसंचार : सिद्धान्त एवं विकास - अनिल कुमार उपाध्याय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. संचार साक्षात्कार भाषण कला रचनात्मक लेखन एवं पत्र लेखन - अमित कुमार सिंह, हरीश प्रकाशन, आगरा।

8. सम्पादन कला : द आर्ट ऑफ एडिटिंग - राजशेखर मिश्र, डायमण्ड बुक्स, नई दिल्ली।
9. समाचार-पत्र लेखन और सम्पादन - डॉ. रमेश मेहरा, जैन बुक एजेन्सी, नई दिल्ली।
10. समाचार, फीचर-लेखन एवं सम्पादन कला - डॉ. हरिमोहन, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली।

प्रश्न-पत्रों की सूची

(B.A. 3RD SEMESTER)

क्रम संख्या	प्रश्न-पत्रों के कोड	प्रश्न-पत्रों के शीर्षक	क्रेडिट
01.	MAJ-HIN-3.1	भारतीय काव्यशास्त्र	4
02.	MAJ-HIN-3.2	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता	4
03.	MIN-HIN-3.1	हिन्दी कथा साहित्य	4
04.	MD/GE-HIN-3.1	हिन्दी गद्य साहित्य	3
05.	SEC-HIN-3.1	साहित्य और सिनेमा	3
06.	AECC-3.1		2
		TOTAL CREDIT	**20**

PAPER TITLE: भारतीय काव्यशास्त्र

PAPER CODE: MAJ-HIN-3.1

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: कविता का कौन-सा वह तत्त्व है, जो उसे न केवल ग्राह्य बनाता है, अपितु उसे निरन्तर प्राणवान बनाए रख सकता है। इस प्रश्न के उत्तर स्वरुप भारतीय काव्यशास्त्र की चिन्तन परम्परा में जिन प्रमुख सिद्धान्तों का आविर्भाव हुआ है, उनसे विद्यार्थियों को परिचित करना एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अन्य साहित्यिक विधाओं की शास्त्रीय समीक्षा करने की पद्धति की सम्यक जानकारी देना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

इकाई -1 **भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा:** काव्य-लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।रस सिद्धान्त: रस की अवधारणा, परिभाषा, रसांग, रस-निष्पति और साधारणीकरण।

इकाई -2 **अलंकार सिद्धान्त :** अलंकार का अर्थ, स्वरूप, परिभाषा एवंकाव्य में अलंकारों कामहत्त्व।प्रमुख अलंकारों का परिचय (अनुप्रास, उत्प्रेक्षा, यमक, रुपक, शलेष, वक्रोक्ति,विभावना, अतिशयोक्ति एवं विरोधाभास)।

इकाई -3 **रीति सिद्धान्त :** रीति का अर्थ, स्वरूप, परिभाषा एवं प्रकार।काव्य-गुण एवं काव्य-दोषका संक्षिप्त परिचय।शब्द शक्ति - अर्थ, स्वरूप, परिभाषा एवं प्रकार।

इकाई -4 **ध्वनि सिद्धान्त :** ध्वनि की अवधारणा, अर्थ, स्वरूप, परिभाषा।ध्वनि के भेद (ध्वनि काव्य, गुणीभूतव्यंग्य काव्य और चित्र काव्य का सामान्य परिचय।

इकाई - 5 **वक्रोक्ति एवं औचित्य सिद्धान्त :** वक्रोक्ति की अवधारणा (अर्थ,परिभाषा, स्वरुप एवं प्रकार।)औचित्य की अवधारणा (अर्थ,परिभाषा एवं स्वरुप)

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. भारतीय काव्य शास्त्र- डॉ.भगीरथ मिश्र,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. काव्यालोचन- ओमप्रकाश शर्मा शास्त्री,आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
3. भारतीय काव्य चिन्तन-शोभाकान्त मिश्र,अनुपम प्रकाशन,पटना।

4. रस सिद्धान्त का पुनर्विवेचन- गणपतिचन्द गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. भारतीय काव्य शास्त्र का संक्षिप्त विवेचन-डॉ. सत्यदेव चौधरी एवं शान्तिस्वरुप गुप्त, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. भारतीय काव्य शास्त्र-प्रो.योगेन्द्रप्रताप सिंह **,** लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

PAPER TITLE: आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

PAPER CODE: MAJ-HIN-3.2

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता का इतिहास लगभग आठ सौ वर्षों का इतिहास है। इस लम्बी यात्रा के विभिन्न पड़ाव हैं,जिनको दिशा देने में अनेक कवियों का योगदान है। इस काल खण्ड के प्रतिनिधि कवियों की रचनाओं में अभिव्यक्त अनुभूतियों के परिप्रेक्ष्य में तत्कालीन मूल्यों एवं उनकी शिल्पगत विशेषताओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना ही प्रस्तुत पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1. **विद्यापति: सं. आनन्दप्रकाश दीक्षित, साहित्य प्रकाशन मंदिर, ग्वालियर**
2. **हिन्दी काव्य सुधा: संपा. भूपेन्द्र रायचौधुरी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गौहाटी**
3. **रीतिकाव्य-संग्रह: संपा. विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**

इकाई -1	विद्यापति	: पद (क्रम संख्या 1 से 8 तक)
	कबीर	: साखी (क्रम संख्या 1 से 15 तक)
इकाई - 2	सूरदास	: विनय (क्रम संख्या 1 एवं 2), वृन्दावन लीला (क्रम संख्या 6 और 7), भ्रमरगीत (क्रम संख्या 10 एवं 12)
	मीराँबाई	: पद (क्रम संख्या 1, 2 और 5)
	तुलसीदास	: केवट प्रसंग
इकाई -3	केशवदास	: छन्द संख्या - 2, 23, 25, 35, 38
	बिहारी	: दोहा (क्रम संख्या 1, 2,14,15, 23, 32, 51, 57, 58, 60, 62, 69,72,75,76,)
इकाई - 4	घनानन्द	: पद (क्रम संख्या 1 से 3 तक)
	पद्माकर	: पद (क्रम संख्या 7, 8 ,9 तक)
	भूषण	: पद (क्रम संख्या 2, 3, 5, और 10)

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1.विद्यापति - सं. शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2.कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

3. कबीर - सं. विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. पदुमावति - सं. कन्हैया सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

5. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

6. तुलसीदास - सं. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

7. सूरदास - सं. हरबंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

8. बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ.बच्चन सिंह,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

9. घनानन्द का साहित्यिक अवदान-डॉ. हनुमंत रणखांब, विद्या प्रकाशन कानपुर।

PAPER TITLE: हिन्दी कथा साहित्य

PAPER CODE: MIN-HIN-3.1

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: आधुनिक गद्य की सर्वाधिक लोकप्रिय विधाओं में उपन्यास और कहानी अन्यतम हैं, जिनमें आधुनिक मानवीय प्रवृत्तियाँ अपने सम्पूर्ण गुण-दोष के साथ उपस्थित हुई हैं। इन दोनों विधाओं के अर्थ, स्वरुप, उद्भव एवं विकास की प्रक्रिया की विधिवत जानकारी देते हुए कुछ प्रतिनिधि रचनाओं (उपन्यासों, कहानियों एवं आत्मकथा) के माध्यम से क्रमश: बदलते हुए जीवन मूल्यों से विद्यार्थियों को साक्षात्कार कराना ही प्रस्तावित पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

पाठ्य पुस्तकएवं ऑनलाइन लिंक्स:

1. निर्मला-प्रेमचन्द, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. जूठन - ओमप्रकाश वाल्मीकि,वाणीप्रकाशन, नई दिल्ली।
3. https://www.hindisamay.com/kahani/usne-kaha-tha.htm
4. https://hindisamay.com/premchand%20samagra/mansarovar7/Bade%20Ghar%20ki%20beti.htm
5. https://hindisamay.com/kahani/akashdeep.htm
6. https://www.hindwi.org/story/patni-jainendra-kumar-story
7. http://gadyakosh.org/gk/%E0%A4%AC%E0%A4%BF%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%A6%E0%A4%B0%E0%A5%80_
8. https://www.hindwi.org/story/wapsi-usha-priyamvada-story

इकाई -1 **कहानी:** अर्थ, स्वरूप, परिभाषा एवं तत्त्व, हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकास।
उपन्यास : अर्थ, स्वरूप, परिभाषा एवं तत्त्व, हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकास, उपन्यास एवं कहानी में साम्य-वैषम्य।

इकाई - 2 निर्मला - प्रेमचंद
जूठन - ओमप्रकाश वाल्मीकी

इकाई -3 उसने कहा था- चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
बड़े घर की बेटी- प्रेमचन्द
अकाशदीप- जयशंकर प्रसाद

इकाई - 4 पत्नी- जैनेन्द्र कुमार

बिरादरी बाहर- राजेन्द्र यादव

वापसी- उषा प्रियम्बदा

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1.कहानी की विकास-प्रक्रिया - आनन्द प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2.एक दुनियाँ समानान्तर-राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।

3.हिन्दी उपन्यास का इतिहास- गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

4.हिन्दी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा- डॉ. रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

5.दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र - डॉ.शरणकुमार लिंबाले, वाणीप्रकाशन, नई दिल्ली।

PAPER TITLE: हिन्दी गद्य साहित्य

PAPER CODE: MD/GE-HIN-3.1

PAPER CREDIT: 3(व्याख्यान-2, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 75 (TH: 60 + IA: 15)

लक्ष्य: आधुनिक साहित्य जगत् में गद्य का आविर्भाव एक युगान्तरकारी घटना है, जिसके माध्यम से व्यापक राष्ट्रीय एवं सामाजिक चेतना मूर्तिमान हुई। उपन्यास, कहानी, निबन्ध जैसी गद्य की सशक्त विधाओं के प्रति विद्यार्थियों में रुचि पैदा करना और उन्हें बदलते जीवन-मूल्यों के प्रति सचेत कराना ही प्रस्तावित पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 45

पाठ्य पुस्तक:

1. तमस: भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. कहानी विविधा- संपा. डॉ. देवीशंकर अवस्थी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. हिन्दी निबन्ध- संपा. डॉ. शिवप्रसाद सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

इकाई -1 उद्भव एवं विकास, हिन्दी गद्य के विभिन्न विधाओं का संक्षिप्त परिचय
तमस: भीष्म साहनी

इकाई - 2 कफन (प्रेमचन्द),
परदा (यशपाल)
वापसी (उषा प्रियम्बदा)

इकाई -3 ईर्ष्या (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)
कुटज (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी)
प्रेमचंद (महादेवी वर्मा)

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1.हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वराणसी।
2.हिन्दी उपन्यास का इतिहास- गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3.प्रेमचन्द और उनका युग- डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4.हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्धकार- डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर,आगरा।
5.तमस उपन्यास में देशविभाजन की त्रासदी-प्रो. दिलीप फोलाने,विद्या प्रकाशन, कानपुर।

PAPER TITLE: साहित्य और सिनेमा
PAPER CODE: SEC-HIN-3.1
PAPER CREDIT: 3(व्याख्यान-2, ट्यूटोरियल-1)
TOTAL MARKS: 75 (TH: 60 + IA: 15)

लक्ष्य:साहित्य और सिनेमा इन दोनों कला रूपों के बीच गहरा संबंध है और ये दोनों ही विचारशीलता को बढ़ावा देते हैं। साहित्य और सिनेमा के मूलभूत तथ्यों से रू-ब-रू कराते हुए फीचर फिल्म, डॉक्यूमेंट्री फिल्म, टेलीफिल्म, एनीमेशन फिल्म, कार्टून फिल्म आदि के निर्माण प्रक्रिया की जानकारी देकर विद्यार्थियों में सिनेमा संबंधी लेखन कौशल को विकसित करना इस पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण
आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 45

इकाई - 1 साहित्य : साहित्य की परिभाषा एवं महत्त्व, साहित्य के तत्त्व - भाव, कल्पना, बुद्धि और शैली, साहित्य की विधाएँ - कहानी, उपन्यास, नाटक, आलोचना का सामान्य परिचय।

इकाई - 2 सिनेमा : सिनेमा की परिभाषा महत्त्व, फिल्मों के प्रकार - फीचर फिल्म, डॉक्यूमेंट्री फिल्म, टेलीफिल्म, एनीमेशन फिल्म, कार्टून फिल्म। हिन्दी सिनेमा का इतिहास।

इकाई - 3 साहित्य सिनेमा और समाज : साहित्य और सिनेमा का अंतःसम्बन्ध, हिन्दी साहित्य और सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिन्दी सिनेमा, भारतीय समाज और हिन्दी सिनेमा।

इकाई - 4 फिल्म समीक्षा : मदर इंडिया, तारे जमीन पर, आरक्षण।
असमीया सिनेमा का परिचयात्मक इतिहास।

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. साहित्य शास्त्र - विवेक शंकर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
2. भारतीय काव्यशास्त्र - रामानन्द शर्मा, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
3. भारतीय काव्य शास्त्र का संक्षिप्त विवेचन-डॉ. सत्यदेव चौधरी एवं शान्तिस्वरुप गुप्त, अशोक

प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष - प्रहलाद अग्रवाल, प्रकाशन, दिल्ली।

5. भारतीय सिने सिद्धान्त - अनुपम ओझा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

6. सिनेमा के बारे में - जावेद अख्तर, कबीर नसरीन मुन्नी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

7.फिल्म निर्देशन - कुलदीप सिन्हा, राधकृष्ण प्रकाशन।

8. साहित्य समाज और हिन्दी सिनेमा - सुनील बापू बनसोडे, शुभम पब्लिकेशन, कानपुर।

9. प्रतिरोध और सिनेमा - महेन्द्र प्रजापति, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली।

प्रश्न-पत्रों की सूची

(B.A. 4TH SEMESTER)

क्रम संख्या	प्रश्न-पत्रों के कोड	प्रश्न-पत्रों के शीर्षक	क्रेडिट
01.	MAJ-HIN-4.1	भाषा-विज्ञान	4
02.	MAJ-HIN-4.2	आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)	4
03.	MAJ-HIN-4.3	हिन्दी कथा साहित्य	4
04.	MIN-HIN-4.1	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4
05.	AECC-4.1		2
06.		SUMMER INTERNSHIP	2
		TOTAL CREDIT	**20**

PAPER TITLE: भाषा-विज्ञान
PAPER CODE: MAJ-HIN-4.1
PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)
TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: भाषा-विज्ञान भाषा एवं साहित्य ही नहीं, अभिव्यक्तियों के सन्दर्भ में समाज को समझने की पद्धति के रूप में विकसित होने वाला विषय है। अतः इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी भाषा-विज्ञान का अर्थ, स्वरूप, भाषा व्यवस्था तथा भाषा व्यवहार का एतिहासिक परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण
आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

इकाई - 1 भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, बोली और भाषा।
भाषा-विज्ञान : परिभाषा, अध्ययन के अंग। व्याकरण, मनोविज्ञान, समाज-विज्ञान और शरीर-विज्ञान के साथ भाषा-विज्ञान का सम्बन्ध। भाषा-विज्ञान - विज्ञान है या कला?

इकाई - 2 ध्वनि विज्ञान : ध्वनि की परिभाषा, स्वरों का वर्गीकरण, स्थान और प्रयत्न के आधार पर व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण।
रूप विज्ञान : रूप की परिभाषा, सम्बन्ध तत्त्व और अर्थ तत्त्व, रूप परिवर्तन के कारण।

इकाई - 3 वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, वाक्य रचना में ध्यान देने योग्य बातें, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।
अर्थ विज्ञान : अर्थ की परिभाषा, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

सन्दर्भ ग्रंथ:

1. भाषाविज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
2. भाषविज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना।
3. सामान्य भाषाविज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
4. भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
6. हिन्दी भाषा का इतिहास - डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।

PAPER TITLE: आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)

PAPER CODE: MAJ-HIN-4.2

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: विद्यार्थियों को खड़ीबोली हिन्दी में रचित भारतेंदुयुगीन, द्विवेदीयुगीन और छायावादयुगीन कवियों से रू-ब-रू कराते हुए उनकी कविताओं के माध्यम से आधुनिक-बोध तथा आधुनिक काव्य शिल्प से परिचित कराते हुए कविता के माध्यम से लगातार निखरती खड़ीबोली हिन्दी का सम्यक ज्ञान कराना प्रस्तुत प्रश्न पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

पाठ्य पुस्तक:

'आधुनिक काव्य संग्रह', संपादक - रामवीर सिंह, प्रस्तुतकर्ता केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

इकाई -1 भारतेन्दु हरिश्चंद्र - यमुना-शोभा
मैथिलीशरण गुप्त - यशोधरा
माखनलल चतुर्वेदी - कैदी और कोकिला, पुष्प की अभिलाषा

इकाई - 2जयशंकर प्रसाद - हे लाज भरे सौंदर्य बता दो
अरुण यह मधुमय देश हमारा
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' - जूही की कली, संध्या सुंदरी

इकाई -3 सुमित्रानंदन पंत - ताज, परिवर्तन
महादेवी वर्मा - मैं नीर भरी दुख की बदली,यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलनेदो

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. आधुनिक हिन्दी कविता - डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ - डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. भारतेन्दु : एक नयी दृष्टि - लहरी राम मीणा, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के स्रोत - शशि अग्रवाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन,

प्रयाग।

5. निराला की साहित्य-साधना - डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

6. कवि सुमित्रानन्दन पन्त - आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।

7. महादेवी - डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

8. कामायनी : एक पुनर्विचार - गजानन माधव 'मुक्तिबोध', राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

9. छायावाद की परिक्रमा - श्याम किशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

10. प्रसाद, पन्त और मैथिलीशरण - रामधारी सिंह 'दिनकर', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

11. जयशंकर प्रसाद - आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

PAPER TITLE: हिन्दी कथा साहित्य

PAPER CODE: MAJ-HIN-4.3

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: विद्यार्थियों को हिन्दी उपन्यास और कहानी के स्वरूपतथा विकास-क्रम से परिचित कराना। प्रेमचंद, प्रसाद, भगवतीचरण वर्मा, भीष्म साहनी आदि कथाकाकारों के चयनित उपन्यासों तथा कहानियों के माध्यम से स्वतंत्रता-पूर्व एवं स्वतंत्र्योत्तर भारतीय समाज और जीवन के प्रति विद्यार्थियों में समझ विकसित करना प्रस्तुत प्रश्न पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

पाठ्य पुस्तक एवं ऑनलाइन लिंक्स:

1. कर्मभूमि - मुंशी प्रेमचंद, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. चित्रलेखा - भगवतीचरण वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. https://www.hindisamay.com/content/ek-tokari-bhar-mitti
4. https://hindisamay.com/premchand%20samagra/mansarovar8/budhi-kaki.htm
5. https://hindisamay.com/kahani/akashdeep.htm
6. https://www.hindwi.org/story/chief-ki-dawat-bhisham-sahn-story
7. https://www.hindwi.org/story/pita-gyanranjan-story

इकाई - 1 हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास
हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास

इकाई - 2 एक टोकरी भर मिट्टी (माधवराव सप्रे)
बूढ़ी काकी (प्रेमचंद)
आकाशदीप (जयशंकर प्रसाद)
चीफ की दावत (भीष्म साहनी)
पिता (ज्ञानरंजन)

इकाई - 3 कर्मभूमि (प्रेमचंद)

इकाई - 4 चित्रलेखा (भगवतीचरण वर्मा)

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. प्रेमचन्द - डॉ० रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. प्रेमचन्द : साहित्य-विवेचन - आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. हिन्दी उपन्यास का इतिहास- डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. हिन्दी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा - डॉ० रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सृजन और आलोचना - डॉ चन्द्रकान्त बांदिवडेकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
6. हिन्दी कहानी की विकास-प्रक्रिया- आनन्द प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
7. नयी कहानी की भूमिका- कमलेश्वर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. हिन्दी कहानी: अंतरंग पहचान - डॉ. रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. हिन्दी कहानी के आन्दोलन: उपलब्धियाँ और सीमाएं -रजनीश कुमार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
10. हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी,विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी।

PAPER TITLE: प्रयोजनमूलक हिन्दी

PAPER CODE: MIN-HIN-4.1

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: शिल्प एवं संरचना की दृष्टि से सर्जनात्मक साहित्य की भाषा शासन-प्रशासन, न्यायलय-कार्यालय, ज्ञान-विज्ञान, तकनीकी एवं प्राद्योगिकी क्षेत्रों में प्रयुक्त भाषा से भिन्न होती है। प्रयोजन सापेक्ष भाषा के स्वरुप में आए बदलाव से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा विभिन्न पत्राचारों में प्रयुक्त शब्दावलियों, वाक्य विन्यासों एवं नियमावलियों का सम्यक् ज्ञान प्रदान करना प्रस्तावित पाठ्यक्र का मूल लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

इकाई -1 प्रयोजनमूलक हिन्दी: अभिप्राय तथा उद्देश्य
प्रयोजनमूलक हिन्दी और सामान्य हिन्दी में अन्तर
प्रयोजनमूलक हिन्दी की स्थिति एवं सम्भावनाएँ

इकाई - 2 प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रयोग क्षेत्र
कार्यालयीन हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण
व्यावसायिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण
संचार माध्यम, आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र में प्रयुक्त हिन्दी की विशेषताएँ

इकाई -3 कार्यालयीन पत्राचार के विविध रुप : सामान्य परिचय
सरकारी पत्राचार-टिप्पण, प्रतिवेदन, सूचना, ज्ञापन

इकाई - 4 पारिभाषिक शब्दावलियाँ/अभिव्यक्तियाँ, अनुवाद (अंग्रेजी से हिन्दी में)

सन्दर्भग्रंथ:

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी- बालेन्दुशेखर तिवारी, संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी-डॉ. विनोद गोदरे,वाणीप्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कार्यालय सहायिका-हरिबाबू कंसल, केन्द्रीय सचिवालय, हिन्दी परिषद दिल्ली।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद।
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी के आधुनिक आयाम - डॉ. महेन्द्र सिंह राणा।
6. अतिरिक्त स्रोत-नेट(http://rajbhasha.gov.in/sites/default/files/saralshabdavali.pdf

प्रश्न-पत्रों की सूची

(B. A. 5TH SEMESTER)

क्रम संख्या	प्रश्न-पत्रों के कोड	प्रश्न-पत्रों के शीर्षक	क्रेडिट
01.	MAJ-HIN-5.1	हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता	4
02.	MAJ-HIN-5.2	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	4
03.	MAJ-HIN-5.3	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4
04.	MAJ-HIN-5.4	हिन्दीनिबंध और अन्य गद्य विधाएँ	4
05.	MIN-HIN-5.1	हिन्दी साहित्य का इतिहास	4
		TOTAL CREDIT	**20**

PAPER TITLE: हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता

PAPER CODE: MAJ-HIN-5.1

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: भाषा, साहित्य एवं संस्कृति को उर्जस्वित बनाने, उसे युगानुकूल नवीन सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना से युक्त करने मेंसाहित्यिक**पत्रकारिता की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है।** साहित्यिक **पत्रकारिता हिन्दी के प्रचार-प्रसार और परिमार्जन के साथ व्यापक राष्ट्रीय हित का** दामन पकड़े **जिस निरन्तरता से आगे बढ़ती आयी है, उसके स्वरुप एवं विकास की प्रक्रिया से विद्यार्थियों को परिचित करना ही प्रस्तुत पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।**

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

इकाई - 1 **हिन्दी** की साहित्यिक**पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास**

साहित्यिक**पत्रकारिता:अर्थ, अवधारणा एवं महत्त्व**

हिन्दी साहित्यिक **पत्रकारिता के उदय के कारण**

इकाई - 2 **स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी पत्रकारिता**

भारतेन्दु युगीनसाहित्यिक **पत्रकारिता** : **परिचय एवं प्रवृत्तियाँ**

द्विवेदी युगीन साहित्यिक **पत्रकारिता** : **परिचय एवं प्रवृत्तियाँ**

छायावादयुगीन साहित्यिक**पत्रकारिता** : **परिचय एवं प्रवृत्तियाँ**

स्वतंत्रतापूर्वसाहित्यिक **पत्रकारिता के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ एवं ज्वलंत मुद्दे।**

इकाई - 3 **स्वतंत्रता पश्चात हिन्दी**साहित्यिक **पत्रकारिता**

आजादी के बाद जनतंत्र एवं विकास की चुनौतियाँ तथा**हिन्दी**की साहित्यिक **पत्रकारिता**

समकालीन हिन्दीसाहित्यिक **पत्रकारिता**

स्वतंत्रता पश्चातहिन्दीसाहित्यिक **पत्रकारिता** की**प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं चुनौतियाँ**

इकाई - 4 **भूमण्डलीकरण के बाद की हिन्दी**साहित्यिक **पत्रकारिता**

हिन्दीसाहित्यिक **पत्रकारिता का व्यवसायीकरण**

विज्ञापन और हिन्दी साहित्यिक**पत्रकारिता**

ऑनलाइन हिन्दी साहित्यिक**पत्रकारिता**

अद्यतन प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ-कवि वचनसुधा, हिन्दी प्रदीप, सरस्वती, हँस, अछूत भारत का सामान्य परिचय।

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. हिन्दी पत्रकारिता विविध आयाम - डॉ. वेदप्रताप वैदिक, हिन्दी बुक सेंटर नई दिल्ली।
2. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास- जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिन्दी पत्रकारिता और भूमण्डलीकरण-विजेन्द्र कुमार, नटराज प्रकाशन।
4. पत्रकारिता के नए परिप्रेक्ष्य,राजकिशोर वाणीप्रकाशन, नई दिल्ली।
5. पत्रकारिता:परिवेश और प्रवृत्तियाँ-पृथ्वीनाथ पाण्डेय,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद।
6. हिन्दी पत्रकारिता - कृष्णबिहारी मिश्र, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद।

PAPER TITLE: छायावादोत्तर हिन्दी कविता

PAPER CODE: MAJ-HIN-5.2

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: छायावादोत्तर हिन्दीकवियों की प्रतिनिधि रचनाओं के आलोक में विद्यार्थियों को बदलते जीवन-मूल्यों से अवगत करना, कविता विशेष में निहित विचारों से उनमें उदात्त भावों का संचरण कराना एवं तत्कालीन युग-बोध से साक्षात्कार कराना ही प्रस्तावित पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1. अस्मिता - सम्पादक डॉ. जगदीशप्रसाद श्रीवास्तव एवं जितेन्द्र पाठक, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. एकत्र-सम्पादकडॉ. बच्चन सिंह,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली।

इकाई -1 अज्ञेय-कलगी बाजरे की, साँप
गजानन माधव मुक्तिबोध - भूल-गलती, मैं दूर हूँ

इकाई - 2 वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन' - अकाल और उसके बाद, कालिदास
भवानीप्रसाद मिश्र - गीतफरोश, टूटने का सुख

इकाई -3 धर्मवीर भारती - पंख, पहिए और पट्टियाँ, पराजित पीढ़ी का गीत
केदारनाथ सिंह - फर्क नहीं पड़ता, दिग्विजय का अश्व

इकाई - 4 श्रीकान्त वर्मा - टूटी पड़ी है परम्परा, भद्रवंश का प्रेत
सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' - मोचीराम, रोटी और संसद, धूमिल की अंतिम कविता

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. आधुनिक कविता यात्रा - डॉ रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद।
2.कवि अज्ञेय- नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. समकालीन हिन्दी कविता - ए. अरविन्दाक्षण, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।

4. नागार्जुन और उनकी कविता- नन्दकिशोर नवल,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5.नई कविता और उसका मूल्यांकन- सुरेशचन्द्र सहगल, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

PAPER TITLE: प्रोयजनमूलक हिन्दी
PAPER CODE: MAJ-HIN-5.3
PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)
TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के विविध रूपों और हिन्दी-संबंधी विविध संवैधानिक प्रावधानों की सम्यक् जानकारी देना, साथ ही कार्यालय, विज्ञान, व्यवसाय, संचार-माध्यम आदि के संदर्भों में प्रयुक्त होने वाली हिन्दी के प्रयोजनमूलक स्वरूपों के साथ उन्हें भली-भाँति परिचित कराना (ताकि वे इस क्षेत्र में आजीविका की तलाश कर सकें) इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण
आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

इकाई - 1 प्रोयजनमूलक हिन्दी का अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ। सामान्य हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी तथा प्रोयजनमूलक हिन्दी, संबंध तथा अंतर।

इकाई - 2 प्रोयजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार और लक्षण : कार्यालयीन हिन्दी, वैज्ञानिक हिन्दी,व्यावसायिक हिन्दी, संचार माध्यम की हिन्दी।

इकाई - 3 आधुनिक प्रशासनिक व्यवस्था में हिन्दी की भूमिका : प्रशासनिक व्यवस्था में पत्राचार का स्वरूप और महत्त्व, प्रशासनिक पत्राचार के विविध प्रकार, सामान्य परिचय और प्रारूप (कार्यालय आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, कार्यालय ज्ञापन और प्रेस विज्ञप्ति) टिप्पण लेखन।

इकाई - 4 भाषा व्यवहार के अन्य क्षेत्र - व्यावसायिक पत्र लेखन, पारिभाषिक शब्दावली, अनुवाद (हिन्दी से अंग्रेजी कुछ अंश)।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ० बालेन्दु शेखर तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना।
3. राजभाषा हिन्दी- डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम - डॉ. मलिक मोहम्मद, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण- प्रो० विराज, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली ।
6. व्यावहारिक आलेखन और टिप्पण- डॉ० अमूल्य चन्द्र बर्मन, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी।
7. कार्यालयी सहायिका - हरिबाबू कंसल, केन्द्रीय सचिवालय, हिन्दी परिषद, दिल्ली।
8. अनुवाद विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. अनुवाद-सुधा (भाग-1) डॉ० अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।
10. अनुवाद-सुधा (भाग-2) डॉ० अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।

PAPER TITLE: हिन्दी निबन्ध और अन्य गद्य विधाएँ

PAPER CODE: MAJ-HIN-5.4

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: निबन्ध एवं अन्य गद्य विधाओं का आविर्भाव मानव जीवन में व्याप्त जटिलता, तार्किकता और बौद्धिकता की देन है। अलगाव, बौद्धिकता और बनते-बिगड़ते हुए मूल्यों के संक्रमण कालीन दौर में व्यापक राष्ट्रीय एवं सामाजिक चेतना का दामन पकड़े जिस दृढ़ता के साथ निबन्ध, रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज आदि गद्य विधाएँ निरन्तर आगे बढ़ती रहीं हैं, उनके प्रति विद्यार्थियों में रुचि पैदा करना, उनमें विश्लेषण तथा विधा विशेष की रचना प्रक्रिया की समझ विकसित करना एवं उन्हें बदलते जीवन-मूल्यों के प्रति सचेत कराना ही प्रस्तावित पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1. हिन्दी निबन्ध - संपा. डॉ. शिवप्रसाद सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
2. हिन्दी के श्रेष्ठ रेखाचित्र - संपा. डॉ. चौथीराम यादव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. हिन्दी हास्य-व्यंग्य संकलन- संपा. श्रीलाल शुक्ल एवं प्रेम जनमेजय,नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया।
4. मुर्दहिया- डॉ. तुलसीराम, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

इकाई -1 हिन्दी निबन्ध, रेखाचित्र, संस्मरण एवं रिपोर्ताज: अर्थ, स्वरुप, परिभाषा एवं तत्त्व
हिन्दी निबन्ध का उद्भव एवं विकास

इकाई - 2

एक अद्भूत अपूर्व स्वपन	: भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
हँस संदेश	: महावीर प्रसाद द्विवेदी
ईर्ष्या	: रामचन्द्र शुक्ल
गेहूँ बनाम गुलाब	: रामवृक्ष बेनीपुरी

इकाई -3

ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से	: रामधारी सिंह 'दिनकर'
कुटज	:आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
प्रेचन्द	:महादेवी वर्मा
यथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा	: राहुल सांकृत्यायन

इकाई - 4	मुर्दहिया	:डॉ.तुलसी राम
	इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर	: हरिशंकर परसाई
	एक दीक्षांत भाषण	: रवीन्द्रनाथ त्यागी

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1.हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वराणसी।

2 हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्धकार - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद मन्दिर,आगरा।

3.हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्धकार - डॉ. राजकिशोर सिंह, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।

4. ललित निबन्ध - केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

5.हिन्दी साहित्य का इतिहास - सम्पादक नगेन्द्र एवं हरदयाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

PAPER TITLE: हिन्दी साहित्य का इतिहास

PAPER CODE: MIN-HIN-5.1

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा से परिचित कराना तथा आलोचनात्मक-विश्लेषणात्मक ज्ञान के द्वारा कालविशेष की प्रमुख प्रवृत्तियों के आलोक में तत्कालीन युगबोध को समझने की दृष्टि विकसित करना ही प्रस्तुत पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

इकाई -1 **आदिकाल -** हिन्दी साहित्येतिहास-लेखन की परंपरा का परिचय।हिन्दी साहित्य : काल-विभाजन एवं नामकरण**,** आदिकाल की परिस्थितियाँ, आदिकालीन साहित्य : धार्मिक साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य ।आदिकालीन साहित्य की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ।

इकाई - 2 **भक्तिकाल -** भक्ति आंदोलन के उदय के कारण एवं नामकरण।भक्तिकालीन काव्य धाराएँ: निर्गुण और सगुण काव्यधाराओं का सामान्य परिचय, भक्तिकालीन साहित्य की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ।

इकाई -3 **रीतिकाल**: नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा, रीतिकालीन प्रमुख काव्यधाराओं का सामान्य परिचय (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्यधारा,वीरकाव्य और नीतिकाव्य),रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई - 4 **आधुनिककाल**: नामकरण एवं सीमांकन, आधुनिककालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ: (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग,छायावाद,प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नईकविता), गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध ।

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी।

2.हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली।

3.हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।

4.हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
5.हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - गणपतिचन्द गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6.हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7.हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
8.हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

प्रश्न-पत्रों की सूची

(B. A. 6TH SEMESTER)

क्रम संख्या	प्रश्न-पत्रों के कोड	प्रश्न-पत्रों के शीर्षक	क्रेडिट
01.	MAJ-HIN-6.1	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4
02.	MAJ-HIN-6.2	हिन्दी नाटक एवं एकांकी	4
03.	MAJ-HIN-6.3	हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि	4
04.	MAJ-HIN-6.4	प्रादेशिक साहित्य (असमीया)	4
05.	MIN-HIN-6.1	हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि	4
		TOTAL CREDIT	**20**

PAPER TITLE: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

PAPER CODE: MAJ-HIN-6.1

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य: विद्यार्थियों कोप्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस, वर्डस्वर्थ, क्रोचे, टी .एस इलियट, आई. ए. रिचर्ड्स जैसे पाश्चात्य चिंतको द्वारा प्रस्तुत पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मुख्य सिद्धांतों, काव्य-दृष्टि तथा साहित्यिक वाद की सम्यक् जानकारी प्रदान करना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

इकाई - 1 प्लेटो - काव्य सम्बन्धी मान्यताएं
अरस्तू - अनुकरण एवं विरेचन सिद्धांत

इकाई - 2 लोंजाइनस - काव्य में उदात्त की अवधारणा
वर्डस्वर्थ - काव्यभाषा का सिद्धांत
क्रोचे - अभिव्यंजनावाद

इकाई - 3 टी .एस. इलियट - परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
आई. ए. रिचर्ड्स - मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण-सिद्धांत

इकाई - 4 स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद एवं अस्तित्ववाद का स्वरूप एवं महत्त्व
शैली विज्ञान - परिभाषा स्वरूप एवं उपयोगिता

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ० भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र -आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
3. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन-डॉ. सत्यदेव चौधरी और डॉ. शान्तिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
4. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन- डॉ. निर्मला जैन और कुसुम बंठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. साहित्यिक निबन्ध- डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. पाश्चात्य काव्य-चिन्तन- करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

PAPER TITLE: हिन्दी नाटक एवं एकांकी

PAPER CODE: MAJ-HIN-6.2

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य : विद्यार्थियों को हिन्दी नाटक एवं एकांकी विधा के स्वरूप, उद्भव एवं विकास-क्रम की जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ हिन्दी के प्रमुख नाटकों एवं एकांकियों के अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियों को सतत् परिवर्तनशील आधुनिक जीवन-मूल्यों से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

पाठ्य-पुस्तक:

1. स्कंदगुप्त - जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन।
2. आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश, राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली।
3. श्रेष्ठ एकांकी - डॉ० विजयपाल सिंह (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

इकाई - 1 नाटक - परिभाषा, तत्त्व, उद्भव और विकास।
एकांकी - परिभाषा, तत्त्व, उद्भव और विकास, नाटक एवं एकांकी में अंतर।

इकाई - 2 स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद

इकाई - 3 आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश

इकाई - 4

औरंगजेब की आखिरी रात	:डॉ. रामकुमार वर्मा
भोर का तारा	: जगदीशचंद्र माथुर
नए मेहमान	: उदयशंकर भट्ट
सूखी डाली	: उपेन्द्रनाथ अश्क
सीमा-रेखा	: विष्णु प्रभाकर

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. मोहन राकेश और उनके नाटक - डॉ० गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. हिन्दी नाटक - डॉ० बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

3. हिन्दी नाटक: उद्‌भव और विकास- डॉ० दशरथ ओझा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ० नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
5. कृति मूल्यांकन : आषाढ़ का एक दिन - आशीष त्रिपाठी (संपा.), राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली।
6. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का रचना-संसार : एक पुनर्मूल्यांकन - डॉ० वीरेन्द्र सिंह यादव, साहित्य रत्नाकर, कानपुर ।
7. नाटककार भारतेन्दु की रंग-परिकल्पना- सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. समकालीन हिन्दी नाटक - नरनारायण राय, सन्मार्ग प्रकाशन, नयीदिल्ली।
9. हिन्दी एकांकी - सिद्‌धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. नाटककार : जगदीशचन्द्र माथुर- गोविन्द चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

PAPER TITLE: हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि

PAPER CODE: MAJ-HIN-6.3

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य:यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की उत्पत्ति, स्वरूप एवं इतिहास का बोध कराने के साथ-साथहिंदी क्षेत्र एवं हिंदी बोलियों के स्वरूप, वर्गीकरण के संदर्भ की समझ विकसित करता है।देवनागरी लिपि के विकास, विशेषता एवं वैज्ञानिकता की गहरी समझ विकसित करना भी इस प्रश्न-पत्र का लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

इकाई - 1 हिन्दी - अर्थ, हिन्दी का भौगोलिक विस्तार,
हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकासआदिकाल, मध्यकाल और आधुनिककाल।

इकाई - 2 हिन्दी की उपभाषाएं,पश्चिमी हिन्दी,पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी,बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियाँ, खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

इकाई - 3 हिन्दी शब्द रचना - उपसर्ग, प्रत्यय, समास।
वाक्य संरचना- वाक्य की परिभाषा,वाक्य के भेद - रचना औरअर्थ की दृष्टि से, वाक्य रचना के सामान्य नियम।

इकाई - 4 देवनागरी लिपि - देवनागरी लिपि का विकास, विशेषता एवं वैज्ञानिकता।
देवनागरी लिपि का मानकीकरण।

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. हिन्दी भाषा - डॉ० भोलानाथ तिवारी, किताबमहल, इलाहाबाद ।
2. हिन्दी भाषा का इतिहास- डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।
3. हिन्दी भाषा का विकास- आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा और रामदेव त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि- लक्ष्मीकान्त वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।
5. हिन्दी भाषा संरचना और प्रयोग-डॉ रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी

दिल्ली।

6. हिन्दी भाषा: इतिहास और स्वरूप राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

7. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास- डॉ उदयनारायण तिवारी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।

8. हिन्दी व्याकरण- पं० कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

9. हिन्दी व्याकरण-विमर्श तेजपाल चौधरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

10. आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना - डॉ.वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।

11. देवनागरी लिपि और हिन्दी संघर्षों की ऐतिहासिक यात्रा - रामनिरंजन परिमलेन्दु, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

12. हिन्दी भाषा इतिहास और स्वरूप- डॉ. राजमणि शर्मा,वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।

PAPER TITLE: प्रादेशिक साहित्य

PAPER CODE: MAJ-HIN-6.4

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य : विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ-साथ प्रादेशिक साहित्य के एक अभिन्न अंग असमीया भाषा के उद्भव और विकासतथा असमीया साहित्य के आदियुग,वैष्णव और रोमांटिक युग (इतिहास औरबरगीत के जरिए) और आधुनिक युग (कविताओं एवं कहानी के जरिए) की संवेदना एवं शिल्पगत विशेषताओं का साक्षात्कार कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

पाठ्य-पुस्तक:

1. असमीया साहित्य निकष - विश्वविद्यालय प्रकाशन विभाग,गुवाहाटी विश्वविद्यालय

इकाई - 1 असमीया भाषा : उद्भव और विकास

इकाई - 2 असमीया साहित्य का इतिहास - आदियुग, वैष्णव युग, रोमांटिक युग
(सामान्य परिचय)

इकाई - 3 **असमीया पद्य**

श्रीमंत शंकरदेव	: मन मेरी राम चरनहि लागु, मधुर मुरुति मुरारू, नारायण काहे भकति करो तेरा, नाहि नाहि रमया बिने
मधावदेव	: गोविन्द दुध पिउ पिउ, तेजरे कमलापति, मेरो माइ ओहो यशोवा, नजाओ नजाओ तुमि
चंदरकुमार आगरवाला	: मानव वन्दना,
देवकान्त बरुवा	: सागर देखिछा

इकाई -4 **असमीया गद्य**

सैयद अब्दुल मालिक	: मरम मरम लागे
स्नेह देवी	: विचित्र
भवेन्द्रनाथ शइकिया	: गहवर

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1.असमिया साहित्यर समीक्षात्मक इतिबृत्त - डॉ. सत्येन्द्रनाथ शर्मा, सौमार प्रिटिंग एण्ड पब्लिशिंग कम्पनी, गुवाहाटी।

2.नुतन पोहरत असमीया साहित्यर बुरंजी - डिम्बेश्वर नेओग, शुवानी प्रकाश, गुवाहाटी।

3.श्री श्री शंकरदेव - महेश्वर नेओग, लयार्स बुक स्टॉल, गुवाहाटी।

4.शंकरदेव व्यक्तित्त्व और कृतित्त्व - भूपेन्द्र रॉय चौधरी, श्री मंत शंकरदेव संघ।

5.महापुरूष श्री श्री माधवदेव - भूपेन्द्र रॉय चौधरी (संपा) बरपेटा सत्र।

PAPER TITLE: हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि

PAPER CODE: MIN-HIN-6.1

PAPER CREDIT: 4(व्याख्यान-3, ट्यूटोरियल-1)

TOTAL MARKS: 100 (TH: 80 + IA: 20)

लक्ष्य:यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की उत्पत्ति, स्वरूप एवं इतिहास का बोध कराने के साथ-साथहिंदी क्षेत्र एवं हिंदी बोलियों के स्वरूपकी समझ विकसित कराता है।देवनागरी लिपि के विकासऔर गुण-दोष की समझ विकसित कराना भी इस प्रश्न-पत्र का लक्ष्य है।

पूर्व-योग्यता: हिन्दी सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

इकाई - 1 हिन्दी - अर्थ, हिन्दी का भौगोलिक विस्तार,
हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकासआदिकाल, मध्यकाल और आधुनिककाल।

इकाई - 2 हिन्दी की उपभाषाएं,पश्चिमी हिन्दी,पूर्वी हिन्दी, खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

इकाई - 3 हिन्दी भाषा : प्रयोग के विविध रूप - बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, कम्प्यूटर और हिन्दी।

इकाई - 4 देवनागरी लिपि :नामकरण और विकास, देवनागरी लिपि के गुण-दोष,
देवनागरी लिपि में सुधार के प्रयास।

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. हिन्दी भाषा - डॉ० भोलानाथ तिवारी, किताबमहल, इलाहाबाद ।
2. हिन्दी भाषा का इतिहास- डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।
3. हिन्दी भाषा का विकास- आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा और रामदेव त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि- लक्ष्मीकान्त वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।
5. हिन्दी भाषा संरचना और प्रयोग-डॉ रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयीदिल्ली।
6. हिन्दी भाषा: इतिहास और स्वरूप राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास- डॉ. उदयनारायण तिवारी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
8. हिन्दी व्याकरण- पं० कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

9. हिन्दी व्याकरण-विमर्श - तेजपाल चौधरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

10. आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना- डॉ.वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।

11. देवनागरी लिपि और हिन्दी संघर्षा की ऐतिहासिक यात्रा - रामनिरंजन परिमलेन्दु, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

12. हिन्दी भाषा इतिहास और स्वरूप- डॉ. राजमणि शर्मा,वाणी प्रकाशन नई दिल्ली